बहादुरी दिखाओ चलते फिरते

एक बाप को याद करो

याद करना ही है रेगार्ड बाप का

नामी ग्रामी केवल भाषण करते

याद न होती बाप की तो करते

डिसरेगार्ड बाप का भी और खुद का भी

याद की भिन्न भिन्न युक्तियाँ रचनी

एकांत में बैठ कमाई करनी

अहंकार और गफलत छोड़ो

याद में रह सेर्विस करो

मुख से बाबा कहना भी होती हैसेवा

बाबा शब्द की याद मन से है योग

कहो दिल से नॉलेज से नही

दिलसे कहने से ही शक्ति मिलती

सच्चे परवाने बन शमा पर

फ़िदा हो कर दिखाओ

मेरा बाबा

ॐ शांति!!